09 फ़रवरी 2022

एशिया-पैसिफ़िक सिविल सोसाइटी कॉमन पोज़ीशन ऑन ड्रग्स

यह निवेदन एशिया-पैसिफ़िक क्षेत्र के अधोहस्ताक्षरी सामाजिक संगठनों की आम सहमति दर्शाता है। ड्रग्स (नशिले पदार्थों) की सभी नीतियों के केंद्र में मानव अधिकारों, स्वास्थ्य और वैज्ञानिक प्रमाण को रखने की आवश्यकता पर इसमे जोर दिया गया है।[1]

उपलब्धियाँ

सामाजिक संस्थाएं समाज के स्वास्थ्य, मानवाधिकारों और बेहतरी को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, विशेष रूप से उन समुदायों के लिए जो समाज की मुख्य धारा से बाहर हैं और कमजोर हैं। एशिया-पैसिफ़िक की गैर-सरकारी संघटनाएँ विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और समुदायों के साथ मिलकर ड्रग्स और ड्रग नीतियों से प्रभावित लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए काम करती हैं। इस समस्या के निवारण के लिए जो प्रक्रियाएं सर्वोत्तम पायी गयी हैं, उन्हें यह सामाजिक संस्थाएँ लागू कर रही हैं ताकि सूचना अभियान प्रभावशाली रहें और उनमें परिवारों और समुदायों की भागीदारी अच्छी रहे। सामजिक संस्थाओं की मेहनत की वजह से मानवीय, स्वैच्छिक और वैज्ञानिक प्रमाण पर आधारित निवारक, उपचार, पुनर्वास और रिकवरी कार्यक्रम लोगों तक पहुँच रहें हैं। जेल में और डिटेंशन के अन्य स्थानों में बंदीत लोग, महिलाएं, LGBTQ+ समुदाय के लोग, बच्चे और युवा, इत्यादि जिनका ड्रग्स के नशे में फस जाने का खतरा सबसे ज्यादा हैं और जिन्हे आधार सबसे कम हैं,उन तक भी मदत पहुँचने के लिए सामजिक संस्थाओं ने व्यापक प्रयास किए हैं। ऐसी सेवाओं के वितरण में शामिल कर्मचारियों की संख्या और प्रावधान के मानकों में सुधार लाने के लिए, क्षमताओं को बेहतर बनाने की कई पहलों को भी इन संस्थाओं ने लागू किया है।

अलग-अलग विषयों के अपने विशेषज्ञों की निपुणता के माध्यम से, सामजिक संस्थाओं ने समाज के स्वास्थ्य, मानवाधिकारों और खुशहाली में प्रगति को साकार करने में योगदान दिया है। उदहारण के तौर पर,न्याय प्रणाली में पकड़े गए लोगों को न्याय दिलाने में मदत करने वाले कानूनी सेवा प्रदाता, ड्रग के कानूनों के पहलुओं को और भी बेहतर बनाने वाले ड्रग नीति विश्लेषक, अवैध मानी जाने वाली फ़सलों की खेती करने वाले समुदायों को स्थायी वैकल्पिक आजीविका की ओर बढ़ने के लिए सहायता करने वाले प्रगति विशेषज्ञ, इत्यादि। महत्वपूर्ण रूप से, कार्य के सभी क्षेत्रों में, जो ड्रग का उपयोग करते हैं या करते थे और जो ड्रग से सम्बंधित अपराधों के लिए कैद हैं, उनको भागीदार बनाकर काम करने को समाज संगठनों ने प्राथमिकता दी। स्वास्थ्य, मानवाधिकारों और विकास में सुधार लाने के लिए जो ड्रग से संबंधित प्रतिक्रिया उपाय सोचे गए हैं, उनकी रचना करते समय और उनका अधीक्षण करते समय, जो लोग ड्रग और ड्रग की नीतियों से प्रभावित होते हैं उनका सहभाग लिया गया ताकि उन उपायों का सफ़ल क्रियान्वन हो सके।

[1] **VNGOC** के एशिया-पैसिफ़िक एड-हॉक कार्य समूह की नियमित बैठकों के नेतृत्व में, 30 देशों की सामाजिक संस्थाओं ने इस दस्तावेज़ पर हुए सार्वजनिक ऑनलाइन परामर्श में भाग लिया; अपने मत और फ़ीडबैक प्रदान किए। यह प्रक्रिया अंग्रेजी में की गई थी।[2] वैश्विक ड्रग रिपोर्ट 2021 (संयुक्त राष्ट्र प्रकाशन, सेल्स नं. **E.**21.**XI.**8)

चुनौतियाँ

अभी भी अपर्याप्त ड्रग नीतियां हमें दिखाई पड़ती हैं, जो ड्रग का उपयोग करने वाले लोगों को अपराधी घोषित करती हैं और अनुचित स्तर का अत्याधिक दंड देती है। साथ ही साथ ये नीतियां, रोगियों को नियंत्रित आवश्यक दवाओं से वंचित भी रखती हैं। इन अनुपयुक्त नीतियों में से कुछ हैं - कठोर कानूनी उपाय जैसे की शारीरिक और मृत्यु दंड, सामूहिक कारावास, एनकाउंटर से की गयी हत्याएँ और अनिवार्य रूप से ड्रग डिटेंशन और पुनर्वास केंद्र मे भर्ती। इन नीतियों की वजह से ड्रग्स से जुड़े दुष्परिणामों का खतरा और भी ज्यादा बढ़ जाता हैं; जैसे की अत्याधिक डोज़ ले लेना, सामाजिक कलंक, और HIV/AIDS, 'हेपेटाइटिस C' व अन्य संक्रामक रोग हो जाना। वैज्ञानिक प्रमाण पर आधारित निवारक नीतियां, प्रशिक्षण, नुकसान कम करने वाले उपाय और उचित इलाज के अभाव के साथ ही साथ ड्रग का इस्तेमाल करने वाले लोगो का लगातार उत्पीड़न भी एशिया पैसिफ़िक के कुछ हिस्सों मे जारी है; जिस वजह से उन्हें अत्याधिक स्तर का कलंक और भेदभाव अनुभव करना पड रहा हैं।

ड्रग्स की उपलब्धता कम करने के लिए हो रहे निरंतर प्रयासों और निवेश, और 'वॉर ओन ड्रग्स' दृष्टिकोण के बावजूद, अभी भी पूरे एशिया-पैसिफ़िक में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों का उत्पादन और तस्करी की जा रही है और ड्रग सम्बंधित अपराधों के लिए क़ैद किए जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है[2]। और फिर भी ड्रग्स की मांग कम करने पर या उनसे होनेवाले नुकसान को कम करने वाले उपायों पर बहुत ही कम ध्यान दिया जा रहा है। स्वैच्छिक, साक्ष्य-सूचित और मानव अधिकारों पर आधारित स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाए, जो लोगों को उनके घर के पास उपलब्ध हो, एशिया पैसिफ़िक क्षेत्र के सभी लोगों तक पहुचायी जानी चाहिए।

भविष्य की योजना

हम, अधोहस्ताक्षरी एशिया-पैसिफ़िक क्षेत्र की सामाजिक संस्थाएं जिनका काम ड्रग से संबंधित है, सदस्य देशों और बहुपक्षीय निकायों के लिए निम्नलिखित निवेदन जारी कर रहे हैं, कि वे समाज के साथ मिलकर विशेष रूप से इन मुद्दों पर कार्रवाई करें:

[2] वैश्विक ड्रग रिपोर्ट 2021 (संयुक्त राष्ट्र प्रकाशन, सेल्स नं. **E.**21.**XI.**8)

ड्रग नीति से संबंधित मौजूदा अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और संधियों के संबंध में

(1) 2030 के 'स्थायी विकास एजेंडा' (SDG) के ढांचे के अंतर्गत, 'यू एन सिस्टम कॉमन पोजीशन ऑन ड्रग्स (2018)[3] एंड इनकारसरेशन (2021)[4]' के लक्ष्यों के लिए प्रतिबद्धता दिखाएँ, ताकि संतुलित, व्यापक, एकीकृत, साक्ष्य और मानवाधिकार आधारित और स्थानीय परम्पराओं का सम्मान करती हुई स्थायी प्रतिक्रियाएं लागू हो सके।

(2) 'UNGASS Outcome Document' (2016), 'Ministerial Declaration on Strengthening Our Actions at the National, Regional and International Levels to Accelerate the Implementation of Our Joint Commitments to Address and Counter the World Drug Problem' (2019), और बाकी सारी सम्बंधित वैश्विक रणनीतियों को लागू करना जारी रखें।

(3) ड्रग का उपयोग करने वाले लोगों के लिए उत्तम दर्जे की और साक्ष्य-आधारित उपचार, पुनर्वास और नुकसान को कम करने वाली सेवाएं प्रदान करके; और इन सेवाओं तक पहुँच में आने वाली बाधाओं को दूर करके, ड्रग्स के इस्तमाल को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या की तरह देखने के लिए प्रतिबद्धता दिखाएँ।

(4) 'International Standards on Drug Use Prevention' (2018)[5] 'The International Standards for the Treatment of Drug Use Disorders (2019)[6] और 'The WHO's Consolidated Guidelines on HIV prevention, diagnosis, treatment and care for key populations (2016)[7] के संशोधित संस्करणों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करें और उनका समर्थन करें।

मानवाधिकारों पर ध्यान केंद्रित करने से सम्बंधित

(5) स्वस्थ जीवन और दीर्घायु का अधिकार, और बाकी सारे सम्बंधित अधिकार जो 'United Nations Declaration on the Rights of Indigenous People' और 'Convention on the Rights of the Child' द्वारा स्वीकृत हैं, उन सभी अधिकारों को मान्यता दें। बच्चों को और ड्रग नीतियों के अंतर्गत आने वाले अन्य सभी प्रभावित

---

3 https://digitallibrary.un.org/record/3792232?ln=en
4 https://www.unodc.org/res/justice-and-prison-reform/nelsonmandelarules-GoF/UN_System_Common_Position_on_Incarceration.pdf
5 https://www.unodc.org/documents/prevention/UNODC-WHO_2018_prevention_standards_E.pdf
6 https://www.unodc.org/documents/drug-prevention-and-treatment/UNODC-WHO_International_Standards_Treatment_Drug_Use_Disorders_April_2020.pdf
7 https://www.who.int/publications-detail-redirect/9789241511124

समुदायों को सुरक्षित रखने के लिए हर सम्भाव्य कदम उठाएं, और किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना उनके अधिकारों का सम्मान और संरक्षण करें।

(6) नशीले पदार्थों के रोकथाम, उपचार और नुकसान को कम करने के संदर्भ में विशेषतः महिलाओं के लिए उपाय योजना लागू करें। साथ ही साथ लिंग आधारित हिंसा को कम काम करने के लिए, विशेष रूप से आपराधिक न्यायव्यवस्था में, और गर्भवती महिलाओं के लिए उपाय योजना लागू करें। LGBTQ+ समुदाय सहित जो लोग हाशियाकरण से प्रभावित हैं, विशेषतः उन्हें ड्रग नीति सम्बंधित व्यापक उपाय योजनाएं उपलब्ध कराई जाएं।

नागरिक समाज को शामिल करने से सम्बंधित

(7) नागरिक समाज और सरकारी एजेंसियों और क्षेत्रीय संघों (जैसे ASEAN) और ड्रग नीति के लिए जिम्मेदार अन्य संगठनों के बीच सहयोग को गहरा करने के लिए 2019 मे की गई मंत्रिस्तरीय घोषणा, **CND** संकल्प 54/11[8] और UNGASS Outcome Document 2016 सहित, की गई ड्रग्स सम्बंधित संयुक्त प्रतिबद्धताओं को ध्यान मे रखें; ताकि ड्रग नीतियों के निर्माण और क्रियान्वन में नागरिक समाज अधिक सक्रिय भूमिका निभा सके।

(8) यह स्वीकार करें कि कई गैर सरकारी संस्थाओं के पास प्रबल अनुभव हैं, समाज के साथ उनके गहरे रिश्ते हैं और उनके पास लोगों का समर्थन हैं। इन कारणों की वजह से समाज में कौन ड्रग्स लेते हैं, उनकी जरूरतें क्या हैं और ड्रग्स का प्रचलन कितना है, इन सबके बारे में उन्हें बहुत अच्छी मालूमात होती हैं। सामाजिक संस्थाएं महत्वपूर्ण डेटा इकठ्ठा करती हैं और उनके पास बहुमूल्य ज्ञान होता है जिसका उपयोग किया जा सकता है। गैर सरकारी संस्थाओं को भी, उनके काम और विशेषज्ञता के अनुसार, समान रूप से वित्तीय सहायता (फंडिंग) देनी चाहिए।

(9) सयुक्त राष्ट्रकी उच्चा स्तरीय बैठकों में ('कमीशन ऑन नारकोटिक ड्रग्स' सहित) और सयुक्त राष्ट्रकी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं और सवांदों में (जैसे कि संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज और नीतियों के विकसन की प्रक्रिया) नागरिक समाज की भागीदारी को सुनिश्चित करें और बढ़ावा दें। यह साध्य करने के लिए, **ECOSOC** के साथ के परामर्श का दर्जा प्रदान करने की प्रक्रिया की निष्पक्षता को सुनिश्चित करें, स्थानीय नागरिक समज से संवाद करें और उच्चा स्तरीय बैठकों में उनकी उपस्थिति का समर्थन करें।

[8] CND संकल्प 54/11: वैश्विक ड्रग की समस्या के समाधान में नागरिक समाज की भागीदारी की भूमिका में सुधार करना। https://www.unodc.org/documents/commissions/CND/Drug_Resolutions/2010-2019/2011/CND_Res-54-11.pdf

हस्ताक्षर के लिए / कार्यकारी संस्करण

(10) ड्रग्स का इस्तमाल करने वाले लोग, जो लोग व्यसन से बाहर उभर रहें हैं, जिन लोगों ने मुश्किल परिस्थितियों को प्रत्यक्ष जिया हैं और समाज का युवा वर्ग, जगभर मे ड्रग्स की समस्या के खिलाफ यशस्वी ड्रग नीतियों और प्रतिक्रियाओं को आकार देने में जो महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उसे और उनके अनमोल अनुभव को स्वीकार करें। सभी स्तरों पर अपने अधिकारों की बात उठाने का उन्हें समान अवसर प्रदान किया जाना चाहिए।

(11) पैसिफ़िक द्वीप के सदस्य देशों को ड्रग्स की आपूर्ति कम करने के लिए जो विपुल सहायता वर्तमान में दी जा रही है, उसके साथ ही साथ ड्रग्स की मांग कम करने वाली, उपचार, पुनर्वास और नुकसान को कम करने वाली साक्ष्य-आधारित योजनाओं को स्थापित करने के लिए भी, विकसित देशों के सहायता बजट से अधिक मदत प्रदान करें।

(12) एशिया-पैसिफ़िक क्षेत्र के देशों की सीमित-संसाधन वाली स्तिथि में, प्रशिक्षण प्लेसमेंट के विनिमय कार्यक्रमों[9] को जो सफ़लता मिली है उसे नजर में रखते हुए, इस क्षेत्र की संतुलित समितियों[10] के साथ और उनके आपस में संवाद और काम में वृद्धि होने की आवश्यकता को समझें; ताकि सामाजिक संस्थाएं अपने विचार सामने रख सकें, उनकी सर्वोत्तम साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को साझा कर सकें और ड्रग से संबंधित क्षेत्रीय संवाद में अपना योगदान दे सकें।

(13) स्वास्थ्य के सम्बन्ध मेयह स्वीकार करें कि साक्ष्य-आधारित निवारक नीतियां, समाज में नशीले पदार्थों की समस्या के खिलाफ किसी भी व्यापक प्रतिक्रिया का हिस्सा होनी चाहिए; विशेषतः वैयक्तिक, पारिवारिक और सामाजिक तीनों स्तरों पर ड्रग्स लेने का खतरा बढ़ाने वाले कारणों को कम करने पर और ड्रग्स से बचाने वाले कारणों को स्थापित करने पर ध्यान देना चाहिए। रणनीतियाँ व्यापक होनी चाहिए, अनेक स्तरों पर काम होना चाहिए और सभी चरणों में प्रमुख हितधारकों का मत लेते हुए, उद्दिष्ट समुदाय की जरूरतों को ध्यान मे रखते हुए नीतियां बनानी चाहिए। माता-पिता और अन्य देखभाल करने वालों को मजबूत पारिवारिक बंधन व सकारात्मक पारिवारिक तालमेल का महत्व समझाकर और उनके पालन-पोषण करने के कौशल को बढ़ाकर, स्वस्थ परिवारों के निर्माण पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि बच्चों को सुरक्षित रखने की पहल घर से ही शुरू हो जाए, और उनका नशीले पदार्थों के इस्तेमाल करने का या अन्य जोखिम भरी गतिविधियों में शामिल होने का खतरा कम हो जाए। सभी प्रकार के निवारक प्रयासों में युवाओं को जोड़ना चाहिए, और उन्हें ज्ञान और दैनिक जीवन में लगने वाले व्यवहार कौशल के

---

[9] जैसे कोलंबो योजना के माध्यम से वित्त पोषित पेशेवरों के लिए एक्सचेंज कार्यक्रम: https://dap-colomboplan.org/news/

[10] जैसे कि 'एशिया पैसिफ़िक रिजनल CSO एंगेजमेंट मैकेनिज़म' (AP-RCEM) या 'इंटरनेशनल फ़ेडरेशन ऑफ़ नॉन-गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन्स फ़ॉर द प्रिवेंशन ऑफ़ ड्रग एंड सब्सटेंस एब्यूज़' (IFNGO)

साथ सशक्त बनाना चाहिए, जो उन्हें विवेकी निर्णय लेने में मदत करें और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल का प्रारम्भ टाले, ताकि नशीले पदार्थों का समस्यात्मक उपयोग और उनसे होने वाली बीमारियों का प्रचलन कम हो जाए[11]।

(14) नशीले पदार्थों की लत में फसे लोगों के लिए साक्ष्य-आधारित उपचार सेवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करें और उपचार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर गुणवत्तायुक्त मानकों को अपनाएं। मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं और संक्रामक व गैर-संक्रामक बीमारियां जो नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने वाले लोगों में आम तौर से पायी जाती हैं, उनके उपचार की सुविधाएं भी सभी के लिए उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सदस्य देशों ने निगरानी और मूल्यांकन की प्रक्रियाओं को अपनाना चाहिए ताकि सेवाओं का उच्च दर्जा बना रहे।

(15) सदस्य देशों से आग्रह करें कि पुनर्वास को ध्यान में रखकर सेवाओं को स्थापित करें ताकि नशे से बाहर उभरते व्यक्तियों की देखभाल निरंतर होती रहे; और अंतरराष्ट्रीय ड्रग सम्मेलनों[12] में जो मान्य किया गया है उसके अनुसार, पुनर्वास में सहायता प्रदान करने वाली संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के विस्तार को प्रोत्साहित करें और कर्मचारियों के प्रशिक्षण को भी प्रोत्साहन दें। पुनर्वास-उन्मुख सेवा प्रणालियों ने ध्यान देना चाहिए की इन नशीले पदार्थों का इस्तेमाल फिर से शुरू ना हो जाए। नशे से बाहर उभर रहे व्यक्तियों को मदत मिलनी चाहिए ताकि उनका स्वास्थ्य बना रहे, वे सुरक्षित रहे, उनका नियमित फ़ॉलो अप हो, उनका सामाजिक बर्ताव बेहतर हो, समाज में पुन: एकीकरण हो[13] और उन्हें काम करने का अवसर भी मिले - क्योंकि पुनर्वास की कोशिश कर रहे व्यक्तियों के लिए कुछ काम मिलना जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक माना जाता है और अच्छी तरह पुनर्वास हो पाना काफी हद तक इस पर निर्भर करता है।

[11] Substance Abuse and Mental Health Services Administration, Focus on Prevention. HHS Publication No. (SMA) **10-4120.** Rockville, MD: Center for Substance Use Prevention, Substance Abuse and Mental Health Services Administration, Revised **2020.**

[12] विशेष रूप से 1961 के नारकोटिक ड्रग्स पर एकल कन्वेंशन **का** अनुच्छेद 38 और 1971 के साइकोट्रॉपिक पदार्थों पर कन्वेंशन **का** अनुच्छेद 20

[13]https://www.incb.org/documents/Publications/AnnualReports/Thematic_chapters/English/AR_**2017**_E_Chapter_I.pdf

(16) सुनिश्चित करें कि ड्रग्स के नुक्सान को कम करने वाली योजनाओं के व्यापक पैकेज[14] को, जैसा कि *'Political Declaration on HIV and AIDS: Ending Inequalities and Getting on Track to End AIDS by 2030'*[15] में उल्लिखित किया गया है, सभी सरकारें समर्थन दें और सामाजिक संस्थानों के सहयोग के साथ कार्यान्वित करें। ड्रग्स का ओवरडोज ना हो इस हेतु से प्रशिक्षण और योजनाएं लागू करनी चाहिए, जिसमें 'टेक-होम नेलोक्सोन' कार्यक्रम और 'पियर लेड ट्रेनिंग' कार्यक्रम शामिल होने चाहिए। विशिष्ट परिस्थितियों और समुदायों में (जैसे पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुष और यौनकर्मियों), जो लोग मेथामफ़ेटामाइन जैसी 'सिंथेटिक' दवाओं का या नए 'साइकोएक्टिव' पदार्थों का उपयोग करते हैं, उनके लिए भी नुकसान कम करने वाली सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

(17) "Access to Controlled Drugs for Medical Purposes While Preventing Diversion and Abuse"[16] पर की संयुक्त निति की सिफ़ारिशों के अनुसार, प्रत्येक देश और प्रत्येक स्वास्थ्य प्रणाली में, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रति और संतुलन के सिद्धांत के प्रति कटिबद्धता दिखते हुए, दोहरी जिम्मेदारी को स्वीकारें - दर्द से राहत के लिए लगने वाली नियंत्रित दवाओं सहित आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और साथ ही साथ 'ओपिओइड' और अन्य नियंत्रित दवाओं के अनुचित और गैर-चिकित्सा उपयोग को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाना।

आपराधिक न्याय योजनाओं के संबंध में

[14] HIV/AIDS पर संयुक्त राष्ट्र की राजनीतिक घोषणा के अनुसार, नशीले पदार्थों को इंजेक्शन द्वारा लेने वाले लोगों के बीच **HIV** की रोकथाम और उपचार के लिए व्यापक पैकेज में निम्नलिखित नौ हस्तक्षेप शामिल होने चाहिए: (**i)** सुई और सीरिंज कार्यक्रम; **(ii)** 'ओपिओइड सब्स्टिटूशन थेरेपी' और अन्य ड्रग पर निर्भरता के लिए उपचार; **(iii) HIV** परीक्षण और परामर्श; **(iv)** 'एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी'; **(v)** यौन संचारित बीमारियों की रोकथाम और उपचार; **(vi)** कंडोम कार्यक्रम; **(vii)** विशिष्ट समुदायों के लिए सूचना, शिक्षा और संवाद; **(viii)** वायरल हेपेटाइटिस के लिए टीकाकरण, निदान और उपचार; और (**ix)** क्षय रोग की रोकथाम, निदान और उपचार। अन्य प्रमुख सेवाओं में ओवरडोज़ का निवारण और उपचार (जिन्होंने प्रत्यक्ष नशीले पदार्थों का इस्तेमाल किया है उनके द्वारा नेलोक्सोन के प्रावधान सहित) शामिल हैं।

[15] https://www.unaids.org/sites/default/files/media_asset/2021_political-declaration-on-hiv-and-aids_en.pdf

[16] "Access to Controlled Drugs for Medical Purposes, While Preventing Diversion and Abuse" (GLOK67) **,** UNODC, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और 'Union for International Cancer Control' (UICC) के नेतृत्व में बनाया गया एक संयुक्त वैश्विक कार्यक्रम है: https://www.unodc.org/unodc/en/drug-prevention-and-treatment/access-to-controlled-medicines/accessibility-medicines-availability-glok67.html

(18) नशीले पदार्थों के सम्बन्ध में होने वाले छोटे स्तर के और अहिंसक अपराधों (विशेष रूप से नशीले पदार्थों का उपयोग, उनका व्यक्ति के पास पाया जाना या अन्य ड्रग्स संबंधित गतिविधियां और ड्रग्स के इस्तेमाल में लगने वाले उपकरणों का पास पाया जाना) के लिए, आपराधिक प्रतिबंधों और दंड के अन्य रूपों को हटा दें, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र के ड्रग करारों में अनुमति दी गई है और जैसा कि UN System Common Position on Drug Policy (2018)[17] में शामिल किया गया है। अन्य ड्रग्स सम्बंधित अपराधों की सजा भी आनुपातिक हद तक सुनिश्चित करें और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों के अनुसार मृत्युदंड की सजा को ख़त्म करें। यह करते हुए, राज्यों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का भी पूरी तरह से सम्मान रखा जाए। जहाँ संभव हो 'ड्रग डायवर्सन' कार्यक्रमों, जिनमे लोगों को जेल में या किसी अन्य प्रकार से बंदी बनाया नही जाता या पुलिस सहित किसी भी आपराधिक कानून संस्थानों के साथ पंजीकरण किया नही जाता, उन्हें लागू किया जाना चाहिए, ताकि हमारी प्रतिक्रिया विकास केंद्रित बने और वह ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य व्यवस्था के सन्दर्भ में हो।

(19) खास तौर पर, ड्रग की तस्करी और उसके साथ संबंधित भ्रष्टाचार और 'मनी लॉन्ड्रिंग' जैसी गंभीर समस्याओं को कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ड्रग सम्बंधित अपराधों में संदिग्ध पाए गए लोगों की सुरक्षा और अधिकारों का उल्लंघन कानून प्रवर्तन कर्मचारियों या अन्य आपराधिक न्याय अधिकारियों द्वारा नहीं किया जाना चाहिए।

(20) साक्ष्य-आधारित निवारक, उपचार, नुकसान को कम करने वाली योजनाएं, नियंत्रित दवाओं की उपलब्धता और अन्य सुविधाएं उन लोगों तक भी पहुचानी चाहिए जो आपराधिक न्याय व्यवस्था में कैद हैं, विशेष रूप से जेलों और डिटेंशन के स्थानों में। यह सुविधाएँ विज्ञान पर आधारित होनी चाहिए और नियमित रूप से उनका मूल्यांकन जारी रहना चाहिए। अच्छी कार्य-प्रथाओं को पूरे क्षेत्र में सदस्य देशों, सामाजिक संगठनों और अन्य संबंधित संस्थानों के साथ साझा किया जाना चाहिए।

ड्राफ़्ट फॉर कंसल्टेशन

---

[17] Summary of deliberations: Chief Executives Board for Coordination, 2nd regular session of 2018, New York, 7 and 8 November 2018, ANNEX 1 (p. 12), United Nations system common position supporting the implementation of the international drug control policy through effective inter-agency collaboration: https://digitallibrary.un.org/record/3792232?ln=en

प्रगति के सम्बन्ध में

21) एशिया-पैसिफ़िक क्षेत्र के सारे सम्बंधित ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों[18] में प्रभावित समुदाय के लिए वैकल्पिक विकास कार्यक्रमों को कार्यान्वित करते समय, वैकल्पिक विकास पर संयुक्त राष्ट्र (**UN)** के मार्गदर्शक सिद्धांतों[19] को लागू करने हेतु प्रोत्साहन दें। स्थानिक कानून और विनियमों के अनुरूप और स्थानीय समुदायों की पूर्ण भागीदारी और परामर्श के साथ, समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए, भूमि और भूमि अधिकारों सहित उत्पादक संसाधनों तक पहुँच को बढ़ने और संरक्षित किए जाने के लिए कदम उठाएं। इस समुदाय की आय में तेज वृद्धि लाने के लिए विकास के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय आयामों के साथ-साथ, दीर्घकालिक समावेशी वित्त पोषण और राजनीतिक प्रतिबद्धता और निजी क्षेत्रों के साथ साझेदारी को भी ध्यान में रखते हुए, विकास के सभी पहलुओं को संबोधित करना चाहिए।

अनेक पहलू वाले मामलों के सम्बन्ध में

22) सभी राष्ट्रों और क्षेत्रों के सन्दर्भ में, ड्रग का उपयोग करने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं की उपलब्धता, पहुँच और वितरण से संबंधित वैज्ञानिक साक्ष्य-आधारित नीतियों का विकास और क्रियान्वन करते समय, कलंक-रहित दृष्टिकोणों को बढ़ावा दें; और CND संकल्प 61/11[20] के अनुरूप इन लोगों को जो भेदभाव, बहिष्कार और पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ता है उसे कम करें।

23) शैशणिक और सामाजिक संस्थाओं के साथ काम करते हुए, एशिया-पैसिफ़िक क्षेत्र की ड्रग की स्थिति पर का मूल्यवान और विश्वसनीय डेटा सार्वजनिक स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था के माध्यम से एकत्रित करने के लिए, इस क्षेत्र में एक ड्रग के मुद्दों पर निगरानी केंद्र (Asia-Pacific Monitoring Centre on Drug Issues) को स्थापित करें और उसकी सहायता करें (**UNODC** के तत्वावधान में)।

---

[18] थाईलैंड, म्यांमार और लाओस PRD का सीमावर्ती क्षेत्र अफ़ीम की खेती करने वाले सबसे बड़े क्षेत्रों मे से एक था, और गोल्डन ट्रायंगल के नाम से बदनाम था।

[19] संयुक्त राष्ट्र महासभा संकल्प 68/196, अनुलग्नक।

[20] CND संकल्प 61/11: ड्रग के उपयोगकर्ताओं के लिए स्वास्थ्य, देखभाल और सामाजिक सेवाओं की उपलब्धता, पहुँच और वितरण सुनिश्चित करने के लिए कलंक-रहित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना। https://www.unodc.org/documents/commissions/CND/CND_Sessions/CND_61/CND_res2018/CND_Resolution_61_11.pdf

24) इस क्षेत्र की कुछ गैर सरकारी संस्थाओं और सदस्य देशों ने जो विकास और अच्छे उदाहर[21] स्थापित कर दिखाएं हैं, उनको ध्यान में रखते हुए एशिया-पैसिफ़िक के वर्तमान ड्रग कानूनों और प्रथाओं की समीक्षा करें।

हम, अधोहस्ताक्षरी एशिया-पैसिफ़िक की सामाजिक संस्थाएं जिनका कार्य नशीले पदार्थों से संबंधित है, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संधियों और घोषणाओं के अनुरूप साक्ष्य-आधारित कानूनों, नीतियों और सेवाओं के निर्माण में नागरिक समाज की आवाज़ सुनी जाना सुनिश्चित करने के लिए **ASEAN** , क्षेत्र के सदस्य देशों और बहुपक्षीय संगठनों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम चुनौतियों को पार करने की कोशिश जारी रखेंगे और हमारी उपलब्धियों को और आगे बढ़ना जारी रखेंगे, ताकि सभी ड्रग नीतियां मानव अधिकार, स्वास्थ्य और वैज्ञानिक प्रमाण पर आधारित रहें।

एशिया-पैसिफ़िक की सभी सामाजिक संस्थाओं को ऊपर वर्णित आम सहमति दर्शाते निवेदन (कॉमन पोज़ीशन) पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया जाता है। https://vngoc.org/asia-pacific-civil-society-common-position-on-drugs/ इस लिंक द्वारा हस्ताक्षर दर्ज किए जा सकते है।

हस्ताक्षर के लिए फ़ाइनल संस्करण

[21] उदाहरण के लिए, मकाऊ में चल रहे सुई सिरिंज कार्यक्रम, मलेशिया और पाकिस्तान में साक्ष्य-आधारित उपचार केंद्र और पूरे क्षेत्र में कई अन्य अच्छे कार्यक्रम, उचित रूप से प्रलेखित किए गए हैं।